



# मध्य प्रदेश सामाजिक न्याय एवं दवियांगजन सशक्तीकरण मंत्री ने वतिरति कथि महर्षि दधीचि पुरस्कार

## चर्चा में क्यों?

18 अप्रैल, 2023 को मध्य प्रदेश के सामाजिक न्याय एवं दवियांगजन सशक्तीकरण मंत्री प्रेमसहि पटेल ने दवियांगजन के उत्थान और उन्नतिके लयि उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों और संस्थाओं को दधीचि पुरस्कार से सम्मानति कथि।

## प्रमुख बडि

- इस अवसर पर मंत्री ने सामाजिक न्याय वभिग में 16 नव-नयुक्त सहायक संचालक को नयुक्ति-पत्र भी प्रदान कथि।
- मंत्री प्रेमसहि पटेल ने श्रवण-बाधति दवियांगता व्यक्तगित श्रेणी वर्ष 2012-13 का प्रथम पुरस्कार पीथमपुर ज़िला धार के मनोज दविविदी को दथि। फ्लेक्सीटफ इंटरनेशनल नामक अपनी संस्था में मनोज दविविदी ने 150 से अधिक दवियांगजनों को रोज़गार देकर उन्हें समाज की मुख्य धारा से जोड़ा है।
- श्रवण-बाधति दवियांगता व्यक्तगित श्रेणी वर्ष 2013-14 का पुरस्कार जबलपुर की डॉ. शरिष जामदार को दथि गया। वे पछिले 20 साल से दवियांगजनों के व्यवसायिक पुनर्वास और समाज की मुख्य धारा से जोड़ने का काम नःसुवार्थ भाव से कर रही हैं। जामदार हॉस्पिटल में दवियांगजनों को नःशुल्क सर्जरी और उपचार की सुवधि भी दे रही हैं। वे शविरिों के माध्यम से दवियांगजनों को सहायक कृत्रमि अंग और उपकरण भी वतिरति करवाने में योगदान देती हैं।
- सांकेतिक भाषा में राष्ट्रगान की रचना करने वाले इंदौर के ज्ञानेंद्र पुरोहित को श्रवण-बाधति दवियांगता व्यक्तगित श्रेणी वर्ष 2014-15 का प्रथम पुरस्कार प्रदान कथि गया। इनके सांकेतिक राष्ट्रगान को राष्ट्रीय स्तर पर भी मानयता मलि है। ज्ञानेंद्र पुरोहित ने वशिष रूप से जनजातीय और ग्रामीण क्षेत्र में श्रवण-बाधति बच्चों को सामान्य वदियालयों में प्रवेश दलाने और वभिनिन शासकीय सेवा में रोज़गार दलाने में महत्त्वपूर्ण योगदान दथि है।
- श्रवण-बाधति दवियांगता व्यक्तगित श्रेणी वर्ष 2015-16 का दधीचि पुरस्कार जबलपुर के वविक चतुर्वेदी को दथि गया। वविक चतुर्वेदी ने श्रवण-बाधति युवाओं को डेस्कटॉप पब्लिशिंग का प्रशिक्षण, रोज़गार एवं आजीविका की मुख्य धारा से जोड़ने के लयि केंद्र शासन के कार्यक्रम में रोज़गारोन्मुखी कौशल प्रशिक्षण भी दलिया। उन्होंने श्रवण-बाधतिों द्वारा संचालति 'डेफग्राफकिंस' की स्थापना और व्यवसाय के लयि भी भरपूर सहायता की।
- वशिष का 5वाँ और भारत का पहला बरेल स्क्रिप्ट अरबी केंद्र स्थापति करने वाली इंदौर की कु. राबथि खान को दृष्टि-बाधति दवियांगता व्यक्तगित श्रेणी वर्ष 2015-16 का द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। उन्होंने वर्ष 2011 में इंदौर में अरबी केंद्र स्थापति कथि था। दृष्टिहीनों के लयि मदरसा नूर रसिच इंस्टीट्यूट की स्थापना करने वाली कु. राबथि खान दृष्टिहीन छात्र-छात्राओं को शैक्षणिक और व्यावसायिक मुख्य धारा में लाने के लयि लगातार प्रयासरत हैं।
- मानसकि मंदता दवियांगता व्यक्तगित श्रेणी वर्ष 2015-16 का द्वितीय पुरस्कार प्राप्त करने वाले उज्जैन के जगदीश प्रसाद शरमा ने 25 हजार से अधिक मानसकि अवकिसति दवियांगों को बौद्धिक परीक्षण के बाद प्रमाण-पत्र दलिया। मानसकि रूप से अवकिसति 3572 छात्र को वदियालय में प्रवेश, छात्रवृत्ति और स्पेशल एजुकेशन सुवधि दलियाई। उन्होंने 495 दवियांग को व्यवसाय से जोड़कर आत्म-नरिभर बनाया और 2875 लोगों को दवियांगों के लीगल गार्जयिनशिप दलियाई।
- स्वयं दवियांग होने के बावजूद दवियांगजनों के लयि उददीप सोशल वेलफेयर सोसायटी की स्थापना करने वाली पूनम श्रोती को अस्थि-बाधति दवियांगता श्रेणी वर्ष 2019-20 का प्रथम पुरस्कार दथि गया। वह दवियांगजनों की शकिषा, कौशल वकिस और रोज़गार के लयि कार्य कर रही हैं।
- स्वयं नेत्रहीन होने के बावजूद दवियांगजनों के लयि रोज़गार प्रशिक्षण शविरि आयोजति करने वाले भोपाल के उदय हतवलने को दृष्टि-बाधति दवियांगता व्यक्तगित श्रेणी वर्ष 2019-20 प्रथम पुरस्कार से नवाजा गया। उदय हतवलने, दृष्टि-बाधतिों की शकिषा एवं सामाजिक समायोजन के लयि वशिष रूप से प्रयासरत हैं।
- नर्मदापुरम की आरती दत्ता को मानसकि मंदता व्यक्तगित श्रेणी वर्ष 2019-20 के पुरस्कार से सम्मानति कथि गया। आरती दत्ता ऑटिज्म, सेरेबल पॉल्सी, मानसकि मंदता का गहन अध्ययन कर इससे ग्रसति दवियांगजनों को आत्म-नरिभर बनाते हुए उन्हें समाज की मुख्य धारा से जोड़ने और पुनर्वास का महत्त्वपूर्ण काम कर रही हैं।

